Doon Public School Bhuj

ग्रीष्मावकाश - गृहकार्य

Class: VIII **Subject: Hindi**

प्रिय बच्चों,

यह प्रदत्त - कार्य आपका ग्रीष्मावकाश - गृहकार्य है जिसे आपको अपनी हिंदी की टिप्पणी - पुस्तिका (नोटबुक) में पूर्ण करना है | दिए गए कार्य को सुंदर एवं स्पष्ट लेख में करें | 'गंगा नदी' के बारे में दिए गए (पूर्व- प्रदत्त कार्य) विषयों को ध्यानपूर्वक पढ़ें | पाठों से संबंधित कठिन शब्द और प्रश्नोत्तरों को याद करें एवं उनका लिखित अभ्यास करें | समय का सही दिशा में उपयोग करें | इस अवकाशकालीन अवधि में आप अपने परिवार के साथ स्वस्थ, सुरक्षित एवं आनंदमय रहें | शुभमस्तु |

कविता - 1 'हिंदुस्तान हमारा है' **कवि - बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'**

कठिन शब्द -

1. अभिमान
2. स्वर
3. स्वाहा
4. प्लावित
5. विस्तृत
6. अतिशय
7. तुंग - शिखर
8. औघट
9. सृजन
10. वत्सलता
11. क्रांतियाँ
12. उत्संग
13. ओजस्वी
14. गणना
15. वितान

प्रश्न - उत्तर : (अधिकतम शब्दों में)

प्रश्न 1. इस कविता को पढ़कर आपके मन में क्या भाव उठते हैं ?

उत्तर - यह कविता वीर - गान और गौरव - ज्ञान से ओतप्रोत है | कविता में भारतीय संस्कृति तथा भारतवर्ष की प्रशंसा की गई है | इस कविता को पढ़कर हमारे मन में भी देश - प्रेम की भावना विकसित होती है |

प्रश्न 2. इस कविता में किन - किन नदियों के नाम लिए गए हैं ?

उत्तर - इस कविता में सतलुज, व्यास, चिनाब, वितस्ता, रावी, गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र, कृष्णा और कावेरी नदियों के नाम लिए गए हैं |

प्रश्न 3. हमारा देश पुरातन क्यों कहलाता है ?

उत्तर - हमारे देश में ही सबसे पहले सभ्यता का विकास हुआ | हमारी संस्कृति प्राचीनतम है इसलिए हमारा देश पुरातन कहलाता है |

प्रश्न 4. भाव स्पष्ट कीजिए -

(i) यहाँ उठे 'स्वाहा' के स्वर और, यहाँ 'स्वधा' के मंत्र बने

हमारे देश में ही यज्ञ और मन्त्रों का सृजन हुआ है |

उत्तर - इन पंक्तियों का अर्थ है कि यज्ञ और मंत्रों का आरंभ सबसे पहले भारत में ही हुआ |

(ii) ब्रह्मपुत्र, कृष्णा, कावेरी, वत्सलता - उत्संग - मती

उत्तर - इस पंक्ति का अर्थ है कि ये सभी नदियाँ पूरी उदारता के साथ अपने जल से हमारी धरती को सींचकर उसे उर्वरा बनती हैं |

मूल्याधारित प्रश्न - (VBQ)

प्रश्न - किसी भी देश के नागरिक अपने देश के लिए मर - मिटने को तैयार क्यों हो जाते हैं ?

उत्तर - मनुष्य जिस धरती पर जन्म लेता है वह उसकी मातृभूमि होती है | मातृभूमि की रक्षा करना सभी नागरिकों का कर्तव्य होता है | यही कारण है कि किसी भी देश के नागरिक अपने देश के लिए मर - मिटने को तैयार हो जाते हैं |

पाठ - 2. अनेकमुखी गंगा **लेखक - काका कालेलकर**

कठिन शब्द -

1. हिमाच्छादित	11. प्रवाह
2. अविलंब	12. स्वच्छंद
3. क्रीड़ासक्त	13. शोणभद्र
4. दारुण	14. मातृवात्सल्य
5. वारिराशी	15. गजग्राह
6. महातम्य	16. सरित्पति
7. समृद्धि	17. त्रिवेणी
8. कुलवधू	18. अखंड
9. द्वंद्व	19. वाल्मीकि
10. प्रदूषित	20. प्रवाह

प्रश्न उत्तर - **(अधिकतम शब्दों में)**

1. नदी के किनारे रहने के क्या - क्या लाभ हैं ?

उत्तर - नदी किनारे रहने के अनेक लाभ है | नदी के किनारे शुद्ध वातावरण मिलता है | पानी का अभाव नहीं रहता | भूमि उपजाऊ होती है | हरियाली होती है और फसलें भरपूर मिलती हैं |

2. गंगा के दर्शन से हमें क्या - क्या स्मरण हो आता है ?

उत्तर - गंगा के दर्शन से हमें फसलों के लहलहाते खेत , माल से लदे जहाज , बुद्ध - महावीर के विहार और अशोक , समुद्रगुप्त या हर्ष का पराक्रम और तुलसीदास या कबीर जैसे संतों के भजन , वाल्मीकि के काव्य आदि का स्मरण हो आता हैं |

3. गंगा - यमुना के संगम को 'प्रयागराज' नाम क्यों दिया गया है ?

उत्तर - हिंदुस्तान में अनगिनत नदियाँ है, इसलिए संगमों का कोई पार नहीं है | इन सभी संगमों में हमारे पुरखों ने प्रयाग के विशाल तट पर गंगा - यमुना के संगम को सबसे अधिक पसंद किया है | इसी कारण इसे 'प्रयागराज' नाम दिया गया है |

4. गंगा और ब्रह्मपुत्र के मेल से सागर का संदेह क्यों उत्पन होता है ?

उत्तर - गंगा और ब्रहमपुत्र दोनों ही बड़ी नदियाँ है | ब्रह्मपुत्र को तो नदी नहीं, नद कहा जाता है | जब ये विशाल नदियाँ गोआलंदी के पास आकर मिलती हैं तो देखने वालो को वहाँ किसी नदी का नहीं बल्कि सागर के होने का आभास होता है |

5. समझाइए -

क. मेघ राजा जब धोखा देते हैं नदी माता हमारी फसल पकाती है |

उत्तर - इसका अर्थ है कि जब बारिश नहीं होती तो नदियों के पानी द्वारा ही फसलों की सिंचाई होती है और फसलें पकती हैं |

ख. अनेकमुखी गंगा पहले की ही तरह हमें अनेक प्रकार की समृद्धि प्रदान करती जाती है किंतु हमारे निर्बल हाथ उसे उठा नहीं सकते |

उत्तर - गंगा हमें बहुत कुछ देने में समर्थ है वहीं दूसरी ओर हमें अभी भी पूरी तरह यह पता नहीं है कि हम अपनी इस विशाल नदी से क्या - क्या लाभ उठा सकते हैं या इसे कैसे पवित्र और प्रदूषण रहित बना सकते हैं |

मूल्याधारित प्रश्न - **(VBQ)**

प्रश्न - गंगा तथा यमुना नदी के लिए सफाई अभियान क्यों चलाना पड़ा ?

उत्तर - गंगा और यमुना दोनो ही नदियाँ बुरी तरह प्रदूषित हो चुकी है | कारखानों से निकलने वाले ज़हरीले रसायन इन नदियों में मिल रहे हैं | शहरों का गंदा पानी और घरों की गंदगी भी इनमें प्रवाहित कर दी जाती है | इससे पहले की ये गंदे नालों में बदल जाए इनकी सफाई के लिए अभियान चलाना पड़ा |

पाठ - 3. खुशी की तलाश लेखक - इटालो कैलविनो

पाठ का सार : यह कहानी इटली के एक राजा गिफ़ाड और उनके बेटे जोनाश के बारे में है | राजा गिफ़ाड एक शांतिपूर्ण शक्तिशाली राज्य पर शासन करते थे | उनकी प्रजा उन्हें पूजती थी और पूरी तरह उन पर विश्वास करती थी | साम्राज्य बहुत सुखी था | राजा का युवा पुत्र जोनाश बुद्धिमान, प्रतिभाशाली और आकर्षक था | वह कुछ दिनों से गहरी अप्रसन्नता की स्थिति में था | राजकुमार को अपने आस - पास होने वाली किसी भी घटना में कोई दिलचस्पी नहीं थी | राजा ने अनेक प्रयास किए परंतु राजकुमार की उदासी का कारण नहीं जान सके | बहुत विचार - विमर्श के बाद ज्योतिषियों ने एक हल निकाला | मुख्य ज्योतिषी जांकलो ने कहा, "महाराज ! हमें एक सुखी और संतुष्ट व्यक्ति ढूँढ़ना होगा | यदि उस व्यक्ति की कमीज राजकुमार को पहना दी जाए तो सब ठीक हो जाएगा |" कुछ दिनों के बाद सेवक एक पुजारी को लेकर आए | राजा ने उसके सामने शाही पुजारी बनाने की बात कहकर उसकी परीक्षा ली जिसमें पुजारी के मन में लालच सामने आ गया | उसके पश्चात सेवक ने एक सुखी राजा के बारे में बताया | गिफ़ाड राजा उस राजा से मिलने तो पता चला कि उसमें अधिक जीने की इच्छा है तो वह संतुष्ट नहीं है | दुखी होकर गिफ़ाड राजा एक दिन शिकार पर गए और जंगल में रास्ता भटक गए | तभी उन्हें सीटी बजने की आवाज़ सुनाई दी | थोड़ी दूर जाने पर राजा ने देखा कि एक युवक पीठ के बल लेटा हुआ बादलों को निहार रहा था | राजा ने उसके सामने अपने राज्य में व्यक्तिगत सलाहकार नियुक्त करने का प्रस्ताव रखा | उस नवयुवक ने कहा कि वह जैसा है वैसा ही अच्छा है | राजा ने खुश होकर सोचा कि इससे ज्यादा खुश और संतुष्ट कोई हो ही नहीं सकता | ऐसा सोचकर राजा ने अपने हाथ उस युवक की कमीज़ के बटन खोलने के लिए आगे बढ़ाए फिर सहसा रुक गए क्योंकि युवक ने कमीज़ पहनी ही नहीं थी | राजा को अहसास हो गया कि खुशी को किसी और से खरीदा नहीं जा सकता | संतोष और खुशी तो हमारे मन में होती है |

कठिन शब्द -

1. साम्राज्य
2. प्रतिभाशाली
3. इश्तिहार
4. प्रतिमूर्ति
5. बुद्धिमान
6. विद्वानों
7. पूर्णतः
8. संतुष्ट
9. दिलचस्पी
10. आखेट
11. शून्य
12. चिकित्सा
13. प्रासंगिक
14. व्यक्तिगत
15. ज्योतिषियों
16. विमर्श
17. जीवंत
18. नियुक्त
19. संतोष
20. फ़रमान

प्रश्न - उत्तर (अधिकतम शब्दों में)

1. बेटे को प्रसन्न करने का उपाय जानने के लिए रजा ने किस - किससे परामर्श लिया ?

उत्तर - बेटे को प्रसन्न करने के लिए राजा ने अनेक चिकित्सकों, ज्योतिषियों और विद्वानों से परामर्श लिया |

2. क्या पड़ोसी राजा सुखी था ? कारण सहित बताइए |

उत्तर - पड़ोसी रजा सुखी नहीं था | उसे सदा भय बना रहता था कि वह शीघ्र मृत्यु को प्राप्त हो जाएगा और उसका राजसी सुख व्यर्थ हो जाएगा |

3. राजा अपने दल से कैसे भटक गया ?

उत्तर - राजा अपने दल के साथ शिकार पर गए थे और एक खरगोश का पीछा करते - करते अपने दल से भटक गए |

4. इस कहानी को पढ़कर हमें क्या शिक्षा मिलती है ?

उत्तर - हमें शिक्षा मिलती है कि सुख एक मन की स्थिति है | असली सुख बाहरी सुख - सुविधाओं में नहीं है बल्कि मन की शांति में बसता है | बहुत छोटी वस्तु भी हमें सुख प्रदान कर सकती है और अपार दौलत के स्वामी होकर भी हम व्याकुल बने रह सकते हैं |

मूल्याधारित प्रश्न - (VBQ)

प्रश्न - हमारा आज का समाज सुविधाओं से भरा - पूरा है | फिर भी अधिकतर लोग तनावग्रस्त क्यों रहते हैं ?

उत्तर - सभी सुख - सुविधाएँ होते हुए भी लोग तनावग्रस्त रहते हैं क्योंकि वे दूसरों के सुख से अपने सुख की तुलना करते हैं | दूसरे लोग उन्हें खुद से अधिक सुखी लगते हैं | दूसरा कारण विज्ञान और तकनीक में उन्नति के कारण रोज बाज़ार में नए - नए उपकरण आते हैं जिससे लोगों को अपने घर का सामान पुराना लगने लगता है | इन्हीं कारणों से इन्सान दुखी होता है |

(नोट : 'पाठ्यपुस्तिका' अभ्यास टिप्पणी - पुस्तिका (नोटबुक) में नहीं लिखने हैं | इन्हें पाठ्यपुस्तिका' में ही लिखें एवं याद करें |)

(पाठ्यपुस्तिका अभ्यास)

बताइए - (Speaking Skills)

1. राजा गिफ़ाड के अपनी प्रजा से कैसे संबंध थे ?

उत्तर - राजा के अपनी प्रजा के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध थे | प्रजा उन्हें पूजती थी और उन पर विश्वास करती थी |

2. किन बातों से पता चलता है कि जोनाश उदास था ?

उत्तर - जोनाश शून्य दृष्टि से खिड़की के बहार देखता रहता था | राज्य में होने वाले समारोह या उत्सवों में रूचि नहीं दिखता था | चहरे पर अप्रसन्नता का भाव रहता था |

3. राजा ने क्या इश्तिहार लगवाए ?

उत्तर - राजा ने इश्तिहार लगवाए कि जो सुखी और संतुष्ट व्यक्ति के बारे में बताएगा उसे इनाम दिया जाएगा |

4. गिफ़ाड को पड़ोसी राजा के बारे में क्या सूचना मिली ?

उत्तर - राजा को सूचना मिली कि पड़ोसी राजा शक्तिशाली और शांतिपूर्ण राज्य का स्वामी है | वह पूर्ण रूप से सुखी है |

लिखिए - (Writing Skills)

क. कुछ शब्दों में -

1. जोनाश का व्यक्तित्व कैसा था ?

उत्तर - जोनाश बुद्धिमान, प्रतिभाशाली और आकर्षक युवक था परंतु वह अप्रसन्न रहता था |

2. राजा चिंतित क्यों था ?

उत्तर - राजा की चिंता का कारण जोनाश का अकारण उदास रहना था |

3. अपने पुत्र को ठीक करने के लिए राजा को क्या चाहिए था ?

उत्तर - अपने पुत्र को ठीक करने के लिए रजा को एक सुखी और संतुष्ट व्यक्ति की कमीज़ चाहिए थी |

ख. पाठांश -

1. राजा ने पुजारी से क्या पूछा ?

उत्तर - क्या आप शाही पुजारी बनना चाहोगे ?

2. पुजारी की क्या प्रतिक्रिया रही ?

उत्तर - पुजारी ने तुरंत शाही पुजारी का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया |

3. राजा क्रोधित क्यों हो उठा ?

उत्तर - पुजारी स्वयं को सुखी और संतुष्ट बता रहा था | वास्तव में उसके मन में लालसाएँ थी | यह जानकार राजा क्रोधित हो उठे |

⇨ **लेखन विभाग से संबंधित आवश्यक निर्देश :**

प्रश्न : दिए गए विषयों पर एक - एक अनुच्छेद लिखिए | (हिंदी की नोटबुक में ही लिखें |)

1. मेरे सपनों का भारत **2. पवित्र नदी - गंगा**